भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2425
15 मार्च, 2023 को उत्तर देने के लिए

वाइज-किरन

2425. सुश्री एस. जोतिमणि:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं को स्वयं के स्टार्टअप/कंपनियां स्थापित करने में प्रोत्साहित करने और उनकी सहायता करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु राज्य में वाइज-किरन (विज्ञान और अभियांत्रिकी में महिलाएं-किरन) योजना पर खर्च की गई राशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और इस योजना की शुरुआत से लाभार्थियों (विशेषकर करूर निर्वाचन क्षेत्र में) की संख्या कितनी है;

(ग) स्कूल स्तर पर बच्चों (विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में युवतियों के बीच) में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और विगत चार वर्षों के दौरान से ऐसे कार्यकलापों पर मंत्रालय और इसके अन्य कार्यालयों का वर्ष-वार व्यय कितना है; और

(घ) सरकार द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने की इच्छुक महिलाओं को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है और ऐसी योजनाओं/कार्यकलापों के लिए बजटीय आवंटन कितना है ?

उत्तर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) प्रशिक्षण कार्यक्रम 'महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (डब्ल्यूईडीपी)' संचालित कर रहा है जिसका उद्देश्य सामर्थ्यवती महिला उद्यमियों को अभिप्रेरित और प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअपों और नवोन्मेषकों को राष्ट्रीय नवप्रवर्तन विकास और उपयोग पहल (निधि) कार्यक्रम के विभिन्न घटकों के तहत प्रौद्योगिकी संचालित

उद्यमिता सहित उद्यमिता हेतु आवेदन करने और सहायता प्राप्त करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, बाइरैक (जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद) ने केवल महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए समर्पित 3 जैव-उद्भवन और पूर्व- उद्भवन केंद्रों के नेटवर्क को सहायता प्रदान की है और विशेष रूप से महिला छात्रों / वैज्ञानिकों /उद्यमियों को उद्भवन स्थान और सलाह (व्यवसाय, आईपी, कानूनी) प्रदान करता है। इसके अलावा, बाइरैक की बायोटेक इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) योजना व्यक्तिगत उद्यमियों और स्टार्ट-अप को सहायता अनुदान प्रदान करती है। इस कार्यक्रम के तहत सहायित कुल परियोजनाओं में से 25% परियोजनाओं का नेतृत्व महिला संस्थापकों द्वारा किया जाता है। बाइरैक टीआईई-दिल्ली एनसीआर की साझेदारी में महिला फोकसित उद्यमिता पुरस्कार भी प्रचालित करता है, जिसे विनर अवार्ड फेलोशिप (वुमन इन एंटरप्रेन्योरियल रिसर्च) कहा जाता है।

(ख) तमिलनाडु राज्य में वाइज-किरण (विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं - किरण) योजना पर खर्च की गई राशि का वर्षवार विवरण, पिछले पांच वर्षों में लाभार्थियों की संख्या के साथ नीचे उल्लिखित है:

क्र. सं.	वित्तीय वर्ष	लाभार्थियों की संख्या	व्ययित रकम (करोड़ में)
1.	2018-19	43	6.35
2.	2019-20	55	5.00
3.	2020-21	84	7.82
4.	2021-22	59	3.98
5.	2022-23	38	3.51
	कुल	279	26.66

(ग) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने कक्षा 9-12 की मेधावी छात्राओं को एसटीईएम (विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग गणित) में खासकर उन क्षेत्रों में जहां महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है उच्च शिक्षा लेने और करियर बनाने हेतु प्रेरित करने के लिए 2019-20 में विज्ञान ज्योति कार्यक्रम शुरू किया है। विज्ञान ज्योति कार्यक्रम नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालयों के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है जो ज्यादातर ग्रामीण परिवेश में अवस्थित हैं। यह कार्यक्रम देश के 200 जिलों में लागू किया जा रहा है और इसके प्रारंभण से 30000 से अधिक लड़कियों को विभिन्न बेहतरकारी उपायों के माध्यम से लाभान्वित किया गया है। छात्रों-अभिभावकों की काउंसलिंग, करियर काउंसलिंग, विशेष व्याख्यान/कक्षाएं, पाठ्यक्रम-आधारित एसटीईएम सत्र, संकेतन सत्र, विज्ञान शिविर, टिंकरिंग गतिविधियां, ज्ञान भागीदारों (केपी)/उद्योग/प्रयोगशाला का परिदर्शन, अनुकरणीय व्यक्ति के

साथ बातचीत सहित विभिन्न सालाना गतिविधियां आदि। विज्ञान ज्योति छात्रों के लिए नवीनतम तकनीकों पर कुछ विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की गई हैं।

डीएसटी राष्ट्रीय कार्यक्रम इंस्पायर मानक (मिलियन माइंड्स ऑग्मेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज) भी कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा छात्रों को विज्ञान का अध्ययन करने और अनुसंधान कैरियर को आगे बढ़ाने और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने और उनके बीच नवाचार की संस्कृति को बढ़ाने के लिए आकर्षित करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छठी से दसवीं कक्षा में पढ़ रही युवा छात्राओं सहित युवा छात्रों को लक्षित करना है। इंस्पायर मानक योजना के तहत, परियोजना/मॉडल निर्माण/विचार प्रदर्शन के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से छात्रों के बैंक खातों में सीधे 10,000/- रुपये की वित्तीय सहायता प्रेषित करने के लिए एक लाख विचारों को लघुसूचीयित किया जा रहा है। जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों की श्रृंखला के बाद, राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी से शीर्ष 60 नवाचारों का चयन किया जाता है, जिनके लिए इनक्यूबेशन सहायता प्रदान की जाएगी और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के लिए भी रक्षित की जाएगी ।

वित्तीय वर्ष	**व्यय (करोड़ रु. में)**
2019-20	58.43
2020-21	60.56
2021-22	76.10
2022-23	47.32 (आज तक)

(घ) विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन करने की इच्छा रखने वाली महिलाओं को सहायता प्रदान करने के लिए कोई विनिर्दिष्ट कार्यक्रम नहीं है। तथापि, अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान की खोज में नवोन्मेष (इंस्पायर) कार्यक्रम के उच्चतर शिक्षा छात्रवृत्ति (एसएचई) घटक का उद्देश्य लड़कियों और लड़कों दोनों को छात्रवृत्ति और परामर्श प्रदान करके विज्ञान प्रधान कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रतिभाशाली युवाओं की अभिरुचि की दरों में वृद्धि करना है। यह योजना प्राकृतिक विज्ञान में स्नातक और निष्णात स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए 17-22 वर्ष के आयु वर्ग के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए प्रति वर्ष 0.80 लाख रुपये की दर से हर साल 10,000 छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

*****